No. of Printed Pages : 8

MEC–106

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

(MEC/MAEC)

Term-End Examination

December, 2025

MEC-106 : PUBLIC ECONOMICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from both Sections as per instructions given.*

Section—A

Note : *Attempt any* ***two*** *questions from this Section in about* ***700*** *words each.* 2×20=40

1. What are the principal differences between public and private debt ? Is there any limit to raising public debt by a country ?

2. What are the objectives of policy co-ordination ? Explain the problems arising in international co-ordination.

3. Discuss the effects of taxation on production; distribution and revenue allocation in an economy.

4. "Barring a few exceptions, the performance and profitability of public sector undertakings in India has been poor." Comment on this statement and suggest suitable measures to improve their profitability and performance in general.

Section—B

Note : *Attempt any* ***five*** *questions from this Section in about* ***400*** *words each.* 5×12=60

5. Explain the Tiebout's theory of public goods and its implications.

6. Discuss the instruments of fiscal policy. Illustrate the applicability of these instruments in reducing income inequality.

7. Explain 'Market Failure'. Discuss how such failure can be overcome.

8. Discuss in detail the 'Ability to Pay Theory of Taxation'. Do you agree that "taxable capacity is a myth" ?

9. Write short notes on any *two* of the following :

   (a) Debt conversion

   (b) Automatic stabilizer

   (c) Free Rider's problem

   (d) Tax Havens

10. Explain the methods of debt repayment by government.

11. Discuss Lindahl's pricing model for efficient allocation of public goods.

12. Distinguish between the following :

    (a) Progressive and Regressive taxation

    (b) Subsidy and Tax

MEC–106

स्नातकोत्तर कला उपाधि (अर्थशास्त्र)

(एम. ई. सी./एम. ए. ई. सी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.ई.सी.-106 : सार्वजनिक अर्थशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *दोनों खण्डों से दिये गये निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *इस खण्ड से किन्हीं* ***दो*** *प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***700*** *शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।* 2×20=40

1. सार्वजनिक एवं निजी ऋण में प्रमुख रूप से क्या अन्तर हैं ? क्या किसी देश द्वारा सार्वजनिक ऋण उठाने के लिए कोई सीमा होती है ?

2. नीतिगत संयोजन के क्या उद्देश्य होते हैं ? अन्तर्राष्ट्रीय संयोजन में उठने वाली समस्याओं की व्याख्या कीजिए।

3. किसी अर्थव्यवस्था में करारोपण के उत्पादन, वितरण तथा वित्तीय आबंटन पर पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा कीजिये।

4. "कुछ अपवादों को छोड़कर भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की निष्पादता तथा लाभप्रदता (profitability) खराब रही है।" इस कथन पर टिप्पणी कीजिए। इन उपक्रमों की निष्पादता तथा लाभिता में सुधार लाने हेतु उपयुक्त उपायों का सुझाव दीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *इस खण्ड से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।* 5×12=60

5. सार्वजनिक वस्तुओं के टिबोट के सिद्धान्त एवं इसके निहितार्थों की व्याख्या कीजिए।

6. वित्तीय नीति के संयंत्रों (instruments) की चर्चा कीजिए। आय की असमानताओं को पूरा करने में इन संयंत्रों की प्रयोज्यता को सोदाहरण बताइये।

7. 'बाजार की विफलता' की व्याख्या कीजिए। इस विफलता का निदान किस प्रकार किया जा सकता है, चर्चा कीजिए।

8. 'करारोपण के कर भुगतान योग्यता सिद्धान्त' की विस्तार से व्याख्या कीजिए। क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि "कर भुगतान योग्यता एक रहस्य है" ?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) ऋण परिवर्तन (Debt Conversion)

(ब) स्वचालित स्थापत्तक (Automatic Stabiliser)

(स) फ्री राइडर की समस्या (Free Rider's problem)

(घ) करों का स्वर्ग (Tax Haven)

10. सरकार द्वारा ऋण पुनः भुगतान की विधियों की व्याख्या कीजिए।

11. सार्वजनिक वस्तुओं के दक्षतापूर्ण आबंटन हेतु लिण्डहाल के कीमत मॉडल की चर्चा कीजिए।

12. निम्नलिखित में अन्तर बताइये :

(क) प्रगतिशील एवं प्रतिगामी करारोपण

(ख) अनुदान एवं कर

× × × × ×